Result Mitra Daily Magazine

Word Bank द्वारा अर्थव्यवस्था का वर्गीकरण

हालिया सन्दर्भ

- विश्व बैंक ने रूस को उच्च-मध्यम आय वाले देश से अपग्रेड कर उच्च आय वाले देश में वर्गीकृत किया है।
- वर्ष 2014 में आखिरी बार विश्व बैंक ने रूस को उच्च-मध्यम आय वाले देश के रूप में वर्गीकृत किया था।

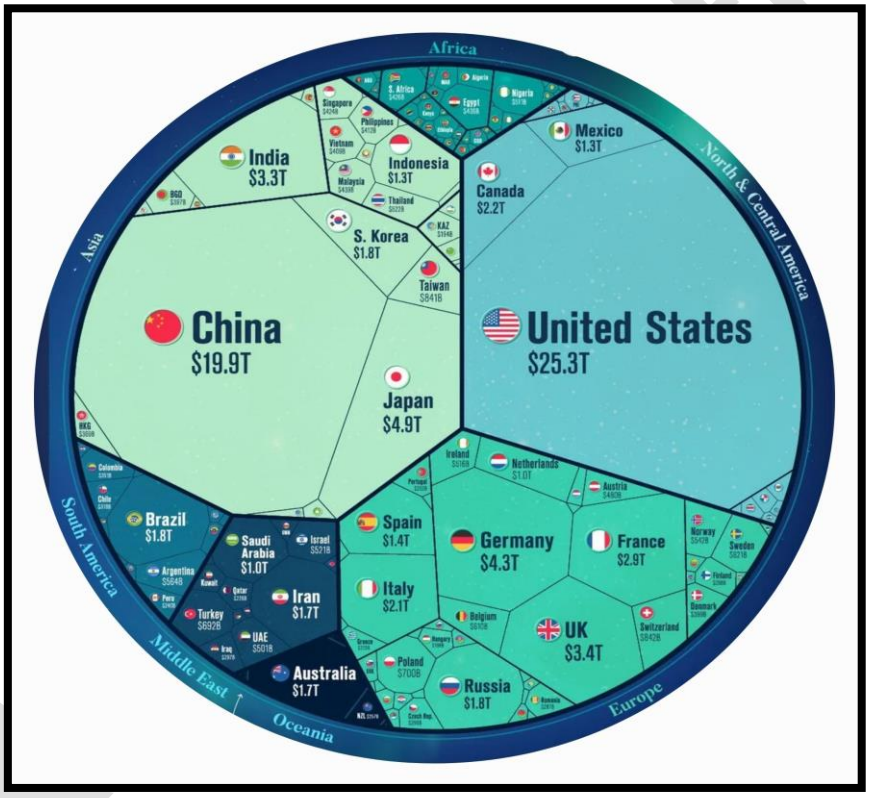

रैंकिंग में सुधार

- व्यापार में 6.8% की दर से वृद्धि
- वित्तीय क्षेत्र में 8.7% की दर से वृद्धि
- निर्माण क्षेत्र में 6.6% की दर से वृद्धि
- उपरोक्त वृद्धि से रूस के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 3.6% की वृद्धि एवं नाममात्र GDP में 10.9% की वृद्धि दर्ज की गई।
- विशेषज्ञों का मानना है कि रैंकिंग में यह सुधार लंबे समय तक नहीं बना रहेगा, क्योंकि रूस की अर्थव्यवस्था में सुधार का प्रमुख कारण सैन्य-संबंधी गतिविधियों से होने वाली आर्थिक क्रियाएं हैं।

वर्गीकरण

- विश्व बैंक विभिन्न देशों को 4 समूहों में वर्गीकृत करता है:-
- निम्न आय वाली अर्थव्यवस्था
- निम्न मध्यम
- उच्च मध्यम
- उच्च
- विश्व बैंक प्रति वर्ष 1 जुलाई को इन समूहों में वर्गीकृत होने के लिए आवश्यक प्रति व्यक्ति आय का निर्धारण करता है।
- यह व्यवस्था विश्व बैंक द्वारा 1987 से अपनाई जा रही है।
- 2024-25 के लिए उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था में शामिल होने के लिए प्रति व्यक्ति आय को 14,005 USD निर्धारित किया है।
- 2023-24 के अनुसार निम्न आय वाले अर्थव्यवस्था के लिए प्रति व्यक्ति आय 1135 USD या इससे कम, निम्न मध्यम के लिए 1136-4465 USD, उच्च मध्यम के लिए 4466-13845 USD एवं उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था के लिए यह 13845 USD या इससे ज्यादा था।
- विश्व बैंक के अनुसार 2023-24 के दौरान रूस का प्रति व्यक्ति आय (सकल राष्ट्रीय आय GNI) के आधार पर 14,250 USD रहा।
- विश्व बैंक ने दो और नए देश बुल्गारिया और पलाऊ को भी 'उच्च आय' अर्थव्यवस्था में वर्गीकृत किया, जिनकी प्रति व्यक्ति आय क्रमशः 14660 एवं 14250 USD रहा।
- नाममात्र GNI के मामले (प्रति व्यक्ति) में रूस 72 वें एवं क्रय शक्ति क्षमता (PPP) के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर 53 वें स्थान पर है।

विश्व बैंक के वर्गीकरण की समीक्षा

1987 की स्थिति

- सभी दक्षिण एशियाई देश निम्न आय वाली अर्थव्यवस्था
- मिडिल ईस्ट एवं उत्तरी अफ्रीका का कोई भी देश निम्न आय वाली अर्थव्यवस्था में शामिल नहीं
- लेटिन अमेरिका एवं कैरेबियन देशों में 9% देश उच्च आय वाले
- यूरोप एवं मध्य एशिया के 71% देश उच्च आय वाले

2023-24 की स्थिति

- सिर्फ 13% दक्षिण एशियाई देश निम्न आय वाले
- मिडिल ईस्ट एवं उत्तरी अफ्रीका के 10% देश निम्न आय वाले
- लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन के 44% देश उच्च आय वाले
- यूरोप एवं मध्य एशिया के 69% देश उच्च आय वाले

  Note- भारत निम्न मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था है, जहां प्रति व्यक्ति आय लगभग 2700 USD है, जबकि PPP के मामले में यह लगभग 10,000 USD है।

Result Mitra

यूक्रेन की स्थिति में भी सुधार

- यूक्रेन पूर्व में निम्न मध्यम आय वाले देश में शामिल
- नए वर्गीकरण में रूस उच्च मध्यम वाला देश
- 2022 में GDP 28.8% नीचे गिरी थी
- 2023 में GDP में 5.3% की वृद्धि
- रूस के आक्रमण के कारण जनसंख्या में 15% के गिरावट, जिससे प्रति व्यक्ति आय में स्वतः सुधार

NOTE- अल्जीरिया, ईरान एवं मंगोलिया भी निम्न मध्यम से उच्च मध्यम श्रेणी में शामिल।

प्रतिबंधों का प्रभाव

- रूस यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका में पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए।
- परिणामतः रूस का व्यापार एवं निवेश चीन, भारत, तुर्की, मध्य-एशिया एवं दक्षिण काकेशस की तरफ मुड़ा।
- प्रतिबंध लगाने वाले देश की मुद्राओं में रूस के बाहरी लेनदेन का हिस्सा 2021 में 80% के बदले 2023 में घटकर 30% हो गया।

मजबूत अर्थव्यवस्था का कारण

- रूस का जॉब मार्केट बेहतर स्थिति में
- बेरोजगारी रिकॉर्ड निचले स्तर पर
- 2023 में GDP में 3.6% की वृद्धि
- वेतन में वृद्धि से उपभोक्ता व्यय में वृद्धि

प्रतिबंधों का फीका प्रभाव

- रूस के ऊर्जा क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध ईरान एवं वेनेजुएला पर लगाए प्रतिबंधों की तुलना में कमजोर हैं एवं प्रतिबंधों को इस तरह क्रियान्वित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि रूस जीवाश्म ईंधन का उत्पादन जारी रखें एवं वैश्विक स्तर पर कीमतों में बहुत ज्यादा उछाल न आए।
- कीमत सीमाएं इस रूप से प्रतिबंधित की गई है कि भले ही रूस द्वारा पश्चिमी देशों को किए जा रहे जीवाश्म ईंधन के निर्यात में कमी हुई है लेकिन रूस की कुल निर्यात मात्रा लगभग स्थिर ही है।
- ऐसा इसलिए है क्योंकि यूरोप के हिस्से वाला निर्यात अब चीन एवं भारत में खपाया जा रहा है।
- युद्ध से पूर्व चीन एवं भारत का हिस्सा रूस के कुल जीवाश्म ईंधन के निर्यात में 30% था, वह अब वह बढ़कर 80% हो गया है।
- रूस तेल निर्यात में बड़ी मात्रा में राजस्व प्राप्त कर रहा है, जो अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है।
- प्रतिबंधों के कारण रूस आयत की जाने वाली वस्तुओं का निर्माण कर रहा है जिससे निवेश में वृद्धि हुई है।

Result Mitra

- सरकारी खर्च में वृद्धि, रक्षा खर्च में वृद्धि, मजबूत श्रम बाजार एवं मौद्रिक प्रोत्साहन जैसे कर्म से रूस की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है एवं प्रतिबंधों का असर फीका रहा है।
- इसके अलावा जब रूस ने क्रीमिया पर 2014 में आक्रमण कर कब्जा कर लिया था, तब भी पश्चिमी देशों द्वारा प्रतिबंध लगाए गए थे, जिससे रूस के आर्थिक विशेषज्ञ ऐसे प्रतिबंधों को प्रभावित करने में दक्ष हो गए हैं।

नाममात्र GDP एवं वास्तविक GDP

- नाममात्र GDP का तात्पर्य वस्तुओं एवं सेवाओं के बाजार मूल्य पर कुल कीमत से है, जिसमें मुद्रास्फीति या विस्फीति को समायोजित नहीं किया जाता है।
- नाममात्रा GDP की गणना वर्तमान मूल्य पर की जाती है।
- वास्तविक GDP में सेवाओं एवं वस्तुओं के कुल अंतिम मूल्य का मुद्रास्फीति/विस्फीति को समायोजित किया जाता है।
- इसकी गणना आधार वर्ष के आधार पर की जाती है।
- चूँकि इसमें मुद्रास्फीति/विस्फीति को समायोजित किया जाता है, इसलिए यह देश की वास्तविक वृद्धि को दर्शाता है।

क्रय शक्ति समता (PPP)

- एक अंतरराष्ट्रीय विनिमय का सिद्धांत
- देश की अर्थव्यवस्था के आकार का पता लगाने में मददगार
- PPP से यह पता लगाया जा सकता है कि 2 विभिन्न देशों की मुद्रा की क्रय शक्ति में कितना अंतर/समता है।
- PPP के आधार पर मुद्रा विनिमय दर को तय किया जाता है।
- PPP के आधार पर चीन, USA एवं भारत दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

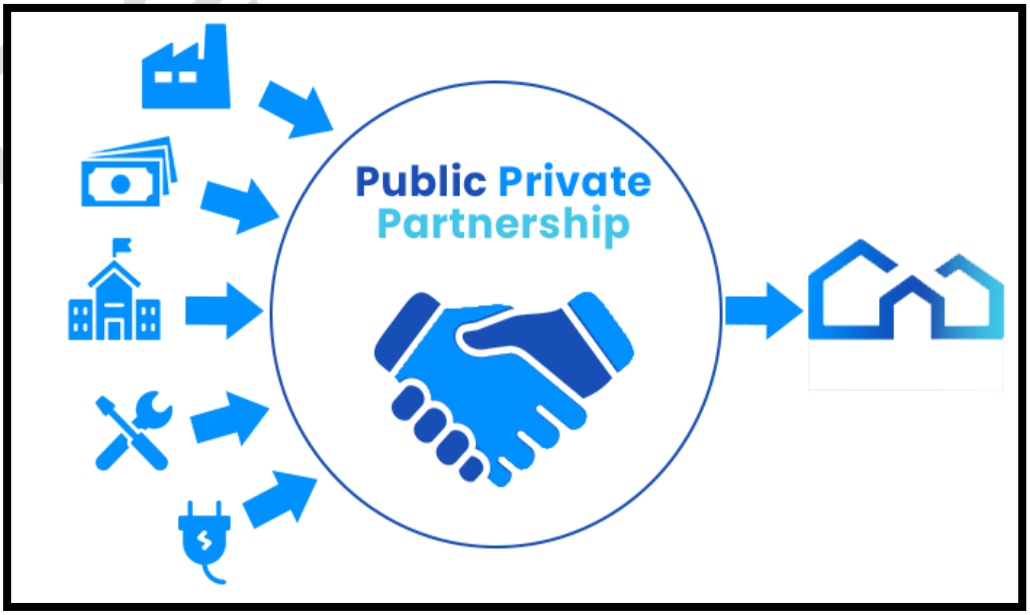

Result Mitra

विश्व बैंक

- 1944 में IMF के साथ स्थापित
- ब्रेटनबुड्स ट्विन (IMF एवं विश्व बैंक) के रूप में स्थापित
- वर्तमान में भारत सहित 189 सदस्य

विश्व बैंक के 5 प्रमुख संस्था

- अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम
- अंतरराष्ट्रीय विकास संघ
- बहुपक्षीय गारंटी एजेंसी
- निवेश विवाद निपटान के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र

  NOTE- भारत 5 वीं संस्था का सदस्य नहीं है।

  NOTE- IMF का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली को स्थिर रखना, जबकि विश्व बैंक का उद्देश्य विकासशील देशों को ऋण उपलब्ध करवाना है।

Result Mitra